अनियन्त्रित भ्रष्टाचार : कारण और निवारण

रूपरेखा

- ★ **प्रस्तावना**
- ★ **भ्रष्टाचार के विविध रूप**
- ★ **भ्रष्टाचार के कारण**
- ★ **भ्रष्टाचार दूर करने के उपाय**
- ★ **उपसंहार**

प्रस्तावना- _भ्रष्टाचार शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है एक 'भ्रष्ट' तथा दूसरा 'आचार'। 'भ्रष्ट' का अर्थ है - अपने स्थान से गिरा हुआ अथवा विचलित , एवं 'आचार' का अर्थ है – आचरण या व्यवहार। इस प्रकार किसी व्यक्ति द्वारा अपनी गरिमा से गिरकर अपने कर्तव्यों के विपरीत किया गया आचरण भ्रष्टाचार है ।

भ्रष्टाचार के विविध रूप - वर्तमान युग में भ्रष्टाचार का बोलबाला है, भ्रष्टाचार इतना व्यापक है कि उसके विविध रूप देखने में आते हैं , जिनमें से कुछ मुख्य इस प्रकार हैं –

1) **रिश्वत (सुविधा - शुल्क)-** अपने कार्य को समय से और बिना किसी परेशानी के कराने के लिए अथवा नियमों के विपरीत कार्य कराने के लिए आज लोग सहर्ष रिश्वत देते हैं। इसी उपहार, सुविधा अथवा नकद धनराशि को रिश्वत कहा जाता है। इसी को साधारण भाषा में घूस और सभ्य भाषा में सुविधा - शुल्क भी कहा जाता है ।
2) **भाई - भतीजावाद -** किसी सक्षम व्यक्ति द्वारा केवल अपने सगे - सम्बन्धियों को कोई सुविधा , लाभ अथवा पद (नौकरी) प्रदान करना ही भाई - भतीजावाद है।
3) **कमीशन -** आज सरकारी, अर्द्ध - सरकारी और प्राइवेट क्षेत्र के अधिकांश सौदों अथवा ठेकों में कमीशनबाजी का वर्चस्व है। किसी विशेष उत्पाद (वस्तु) अथवा सेवा के सौदों में किसी सक्षम व्यक्ति द्वारा सौदे के बदले में विक्रेता अथवा सुविधा प्रदाता से कुल सौदे के मूल्य का एक निश्चित प्रतिशत प्राप्त करना कमीशन है ।
4) **यौन शोषण -** यह भ्रष्टाचार का सर्वथा नवीन रूप है। इसमें प्रभावशाली व्यक्ति विपरीत लिंग के व्यक्ति को अपने प्रभाव का प्रयोग करते हुए अनुचित लाभ पहुंचाने के बदले उसका यौन - शोषण करता है ।

Gyansindhu Classes

भ्रष्टाचार के कारण - भ्रष्टाचार के यद्यपि अनेकानेक कारण हैं , जिनमें से कुछ प्रमुख कारण इस प्रकार हैं-

1) **महँगी शिक्षा** – महँगी शिक्षा के कारण आज जब एक युवा शिक्षा पर लाखों रुपये खर्च करके किसी पद पर पहुँचता है तो उसका सबसे पहला लक्ष्य यही होता है कि उसने अपनी शिक्षा पर जो खर्च किया है उसे किसी भी उचित-अनुचित रूप से ब्याजसहित वसूले ।
2) **लचर न्याय - व्यवस्था -** लचर न्याय - व्यवस्था भी भ्रष्टाचार का एक मुख्य कारण है । प्रभावशाली लोग अपने धन और भुजबल के सहारे अरबों - खरबों के घोटाले करके साफ बच निकलते हैं , जिससे युवावर्ग इस बात के लिए प्रेरित होता है कि यदि व्यक्ति के पास पर्याप्त धनबल है तो उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता ।
3) **जन-जागरण का अभाव -**इस देश की अधिकाँश जनता अपने अधिकारों से अनजान है , जिसका लाभ उठाकर प्रभावशाली लोग उसका शोषण करते रहते हैं और जनता चुपचाप भ्रष्टाचार की चक्की में पिसती रहती है ।
4) **जीवन मूल्यों का ह्रास और चारित्रिक पतन** — आज के इंसान के जीवन मे मानवीय मूल्यों की इतनी कमी हो गयी है कि उसे अछाई-बुराई का भेद ही दिखाई नहीं देता। चारित्रिक पतन ऐसा कि उसे अन्य लोगों के हित की चिंता ही नहीं है। ऐसे मूल्यहीन , दुश्चरित्र व्यक्ति भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं ।

<u>भ्रष्टाचार दूर करने के उपाय -</u> भ्रष्टाचार को दूर करने के कुछ मुख्य उपाय इस प्रकार है-

1) **जनान्दोलन-** भ्रष्टाचार को रोकने का सबसे मुख्य और महत्त्वपूर्ण उपाय जनान्दोलन है । जनान्दोलन के द्वारा लोगों को उनके अधिकारों का ज्ञान फैलाकर इस पर अंकुश लगाया जा सकता है ।
2) **कठोर कानून –** कठोर से कठोर कानून बनाकर ही भ्रष्टाचार पर रोक लगाई जा सकती है । यदि लोगों को पता हो कि भ्रष्टाचार करनेवाला कोई भी व्यक्ति सजा से नहीं बच सकता , तो प्रत्येक व्यक्ति अनुचित कार्य करने से पहले हजार बार सोचेगा ।
3) **निःशुल्क उच्चशिक्षा -** जब देश के प्रत्येक युवा को निःशुल्क उच्चशिक्षा का अधिकार प्राप्त होगा तभी भ्रष्टाचार पर पूरी तरह अंकुश तभी लगाया जा सकता है।
4) **पारदर्शिता –** सरकार प्रत्येक कार्य में पारदर्शिता लाकर भी भ्रष्टाचार को रोका जा सकता है ; क्योंकि अधिकांश भ्रष्टाचार गोपनीयता के नाम पर ही होता है।
5) **कार्यस्थल पर व्यक्ति की सुरक्षा और संरक्षण -** यदि कार्यकारी व्यक्ति को पूर्ण सुरक्षा और संरक्षण मिले तो धनबल और बाहुबल का भय दिखाकर कोई भी व्यक्ति अनुचित कार्य करने के लिए किसी को विवश नहीं कर सकता। महिलाकर्मियों के लिए तो कार्यस्थल पर सुरक्षा

Gyansindhu Classes

और संरक्षण देने हेतु कानून बनाया जा चुका है, जिससे उनका यौन - शोषण रोका जा सके।

6) **नैतिक मूल्यों की स्थापना** - नैतिक मूल्यों की स्थापना करके भी भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सकता है । इसके लिए समाज सुधारकों और धर्म प्रचारकों के साथ - साथ शिक्षक वर्ग को भी आगे आना चाहिए ।

<u>**उपसंहार**</u> - हम तभी विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हो सकते हैं , जब भ्रष्टाचार के क्षेत्र में न्यायिक तराजू पर राजा और रंक एक ही पलड़े में रखे जाएँ । भ्रष्टाचार पर कठोर कदम उठाए जाएँ और भ्रष्टाचार के विरुद्ध जन जागरण हो ।

Gyansindhu Classes